University in News on 24 March 2021

University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

NBT PAGE 6

17 कॉलेजों में शुरू होंगे नए पाठ्यक्रम

एनबीटी, लखनऊ : एलयू में जल्द ही महिला विकास केन्द्र बनाया जाएगा। इसके साथ ही शहर के 17 महाविद्यालय इसी सत्र से स्नातक और परास्नातक के कई नए पाठ्यक्रम शुरू कर सकेंगे। लविवि कार्य परिषद की मंगलवार को हुई बैठक में 24 असिस्टेंट प्रोफेसर को एक से दूसरी स्टेज में प्रोन्नत करने सहित कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बॉयोकेमेस्ट्री विभाग के असिस्टेंट प्रो. आशुतोष सिंह की नियुक्ति का मामला कोर्ट में होने के कारण फैसला नहीं हो सका। डॉ. आशुतोष सिंह की नियुक्ति पर आपत्ति दर्ज करवाने के बाद राजभवन ने विधि सम्मत न पाते हुए कार्य परिषद को फैसला लेने का आदेश दिया था। हालांकि, डॉ. आशुतोष सिंह इसके विरोध में हाई कोर्ट जा चुके हैं, ऐसे में कार्य परिषद कोई फैसला नहीं ले सकी।

प्रो. डीपी तिवारी प्रकरण में समिति गठित : सबसे अहम मामला प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के प्रो. डीपी तिवारी रखा गया। भुगतान से संबंधित मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित करते हुए जल्द से जल्द रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए। देवेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने भुगतान में हुई गड़बड़ी को लेकर एलयू से राजभवन तक सीडी पेश की थी। सूत्रों के मुताबिक फॉरेंसिक जांच में पुष्टि हुई थी कि सीडी से कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। ऐसे में डॉ. तिवारी पर लगे आरोपों को बल मिला है।

आरएस गर्ल्स कॉलेज में सहशिक्षा : परिषद ने आरएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज को सहशिक्षा महाविद्यालय के रूप में परिवर्तन को मंजूरी दे दी है। कैनिंग कॉलेज ऐक्ट 1922 और कैनिंग कॉलेज कॉन्ट्रीब्यूशन ऐक्ट 1920, यूपी राज्य यूनिवर्सिटी अधिनियम 1973 के अप्रान्त निष्प्रयोजन होने के कारण अधिनियम खत्म कर दिया गया है।

एलयू कार्य परिषद की बैठक में 24 असिस्टेंट प्रफेसर को प्रोन्नति देने सहित हुए कई फैसले

यहां शुरू होंगे नए कोर्स

- आरडीएसजी कॉलेज में 5 वर्षीय एलएलबी।
- स्वामी विवेकानन्द कॉलेज में बीएलएड।
- जय नारायण मिश्र कॉलेज में एमए अंग्रेजी, समाज शास्त्र व अर्थशास्त्र की 50-0 सीटें।
- सीडी गर्ल्स डिग्री कॉलेज में एमए शिक्षा शास्त्र की 40 सीटें।
- कृष्णदत्त अकादमी को बीकॉम की 50 सीटें।
- आईटीएम कॉलेज ऑफ एजूकेशन को बीएड की 100 सीटें।
- दुर्गा शिक्षा निकेतन महाविद्यालय में एमए समाज शास्त्र व हिंदी के अलावा एमकॉम की 50-0 सीटें।
- महाराजा बिजली पासी महाविद्यालय में बीकॉम की 120 सीटें।
- चरक इंस्टिट्यूट ऑफ एजूकेशन में एमए शिक्षा शास्त्र में 40 सीटें।
- भाल चन्द्र इंस्टिट्यूट ऑफ एजूकेशन में एमकॉम की 50 सीटें।
- मॉडर्न कॉलेज इन्नोवेटिव मैनेजमेंट ऐंड साइंस में बीकॉम की 120 सीटें।
- रजत पीजी कॉलेज को एमससी रसायन विज्ञान में 50 सीटें मिलीं।
- डॉ. एमसी सक्सेना कॉलेज को बीएड की 200 सीटें।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 1 & 5

एनसीईआरटी पैटर्न पर होगा संस्कृत का पाठ्यक्रम

लविवि में उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने अभिनव गुप्त संस्थान भवन का किया लोकार्पण, कहा, संस्कृत के टॉप टेन स्टूडेंट्स को एक-एक लाख रुपये व लैपटॉप भी देंगे

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। इंटर स्तर तक संस्कृत का पाठ्यक्रम एनसीईआरटी पैटर्न पर तैयार कराया जा रहा है। माध्यमिक शिक्षा की तरह इनका भी परिणाम जारी किया जाएगा और टॉप 10 स्टूडेंटस को एक-एक लाख रुपये व टैबलेट दिए जाएंगे। ये बातें उपमुख्यमंत्री व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में अभिनव गुप्त संस्थान के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण समारोह के दौरान कही। उन्होंने कहा कि अभिनव गुप्त ने आज से हजारों साल पहले शैव दर्शन और वेद-वेदांत की जो व्याख्या की वह आज तक कोई और नहीं कर सका है। संस्कृत के उत्थान के लिए यहां बेहतर काम और शोध होगा।

लविवि में अभिनव गुप्त संस्थान के भवन का लोकार्पण करते उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा।

उन्होंने कहा कि संस्कृत शिक्षकों के खाली पद भरे जा रहे हैं और सूची बनाकर संस्कृत विद्यालयों की मरम्मत का कार्य भी करवाया जाएगा। इसी क्रम में मेडिकल कॉलेज के सामने संस्कृत निदेशालय की स्थापना की जा रही है। उन्होंने संस्थान को वातानुकूलित बनाने तथा स्वीकृत पदों पर जल्द नियुक्तियां करने एवं विश्वविद्यालय के लिए हर संभव सहयोग करने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि विवि प्रस्ताव दे जिस भी काम का मैं सहयोग करूंगा। उन्होंने बताया कि एआर-डीआर, सुपरिंटेंडेंट आदि के प्रमोशन की विसंगतियों को जल्द दूर किया जाएगा। इसी के साथ उन्होंने वाणिज्य विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. केके सक्सेना के नाम पर तैयार न्यू कॉमर्स भवन के नए भाग का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के अध्यक्ष डॉ. वाचस्पति मिश्र, संस्थान के निदेशक व डीन आर्ट्स प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल, संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. नवजीवन रस्तोगी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. पूनम टंडन, प्रो. वीके शर्मा, निर्माण अधीक्षक डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, चीफ प्रॉक्टर डॉ. दिनेश कुमार, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज अग्रवाल, प्रो. राम मिलन, प्रो. अवधेश त्रिपाठी, प्रो. यूपी सिंह, डॉ. प्रयाग नारायण मिश्र आदि उपस्थित रहे।

लविवि-एकेटीयू की परीक्षाएं जारी, कक्षाओं पर निर्णय आज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व सहयुक्त कॉलेजों व एकेटीयू में अभी पहले की स्थिति है। लविवि की परीक्षाएं 27 मार्च तक होंगी। कक्षाओं को लेकर बुधवार को स्थिति स्पष्ट होगी। हालांकि, यहां भी होली का अवकाश जल्द होने वाला है। विवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने कहा कि क्लास पर जल्द निर्णय होगा। एकेटीयू की परीक्षाएं 26 मार्च तक होनी हैं। विवि प्रवक्ता आशीष मिश्रा ने कहा, परीक्षाएं पूर्व निर्धारित समय अनुसार होंगी। कक्षाओं को लेकर अभी प्राविधिक शिक्षा विभाग से कोई निर्देश नहीं मिला है। जल्द इस पर निर्णय होगा।

लखनऊ विवि शुरू करेगा महिला विकास संस्थान

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय शहरी व ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अब महिला विकास संस्थान की शुरुआत करेगा। वह अपने सहयुक्त कॉलेजों के साथ मिलकर महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, फैमिली एजुकेशन, महिला हिंसा, महिला कानून आदि से जुड़े मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाएंगे। इसके लिए महिलाओं को ट्रेंड भी करेंगे। यह निर्णय मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई कार्य परिषद की बैठक में लिया गया। इसके साथ ही बैठक में एक दर्जन सहयुक्त महाविद्यालयों के कोर्सों को स्थायी संबद्धता व कुछ कोर्सों को अस्थायी संबद्धता भी दी गई। साथ ही 24 शिक्षकों के प्रमोशन को भी हरी झंडी दी। इसके अलावा बैठक में और भी कई फैसले लिए गए। बैठक में वित्त समिति, प्रवेश समिति के निर्णयों व विभिन्न छात्रावासों में प्रोवोस्ट, असिस्टेंट प्रोवोस्ट की नियुक्ति को भी एप्रूव किया गया। बैठक में अन्य सदस्यों के साथ ही नामित सदस्य धर्मेंद्र सिंह, प्रो. कृपा शंकर, अंशू टंडन ने भी सहभागिता की।

कार्य परिषद की बैठक में एक दर्जन कॉलेजों के कोर्सों को मिली स्थायी संबद्धता, 24 शिक्षकों की पदोन्नति के खुले लिफाफे

DAINIK JAGRAN PAGE 7

उच्च शिक्षण संस्थानों में आनलाइन क्लास

लविवि में अभिनव गुप्त संस्थान के भवन का उप मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

जासं, लखनऊ: उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने कोविड-19 के मद्देनजर प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में 25 से 31 मार्च तक आनलाइन कक्षाएं चलाने का सुझाव दिया है। इस दौरान होली की तय छुट्टी के अलावा शिक्षक बचे हुए दिनों में आनलाइन ही कक्षा लेंगे। यदि कोई परीक्षा तय है, तो वह अपने निर्धारित तिथि पर होगी। डा. शर्मा मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में अभिनव गुप्त संस्थान के नए भवन के उद्घाटन पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार संस्कृत को बढ़ावा दे रही है। जल्द ही प्रदेश का पहला संस्कृत निदेशालय बनेगा। संस्कृत बोर्ड का पाठ्यक्रम भी एनसीईआरटी पैटर्न पर कर दिया गया है। इसके अलावा जीर्ण-शीर्ण संस्कृत विद्यालयों की सूची तैयार की जा रही है, जिन्हें सुविधाओं से लैस किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभिनव गुप्त संस्थान के लिए ढाई साल पहले आठ शिक्षकों के पद स्वीकृत किए थे, लेकिन अभी तक उसे लखनऊ विश्वविद्यालय ने भरा नहीं है। जल्द से जल्द भरकर पढ़ाई शुरू कराई जाए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लविवि ने दो बार बीएड प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न करवाई, इसमें करीब 83 करोड़ रुपये की आय विवि को हुई। इस पैसे का उपयोग विश्वविद्यालय अपने विकास में कर सकता है। उन्होंने डिप्टी रजिस्ट्रार से रजिस्ट्रार बनने में आने वाली विसंगति को जल्द दूर करने का भी आश्वासन दिया। कार्यक्रम के बाद उन्होंने प्रोफेसर केके सक्सेना वाणिज्य ब्लॉक का भी लोकार्पण किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में अभिनव गुप्त संस्थान के नए भवन का लोकार्पण करते उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा • जागरण

संस्कृत आवासीय स्कूलों में बनेगा बुक बैंक

प्रो. नवजीवन रस्तोगी ने कहा कि सौंदर्य शास्त्र के जनक के रूप में हम अभिनव गुप्त को जानते हैं। उन्होंने पूर्व परंपराओं को आत्मसात करते हुए उनका निर्वहन किया। अभिनव गुप्त को लेकर देशभर में शोध हो रहे हैं। संस्कृत संस्थान के अध्यक्ष वाचस्पति मिश्र ने कहा कि संस्थान ने 12 हजार प्राइमरी शिक्षकों को संस्कृत सिखाई है। जल्द ही संस्कृत आवासीय स्कूलों में बुक बैंक बनाने की भी योजना है। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो. बृजेश शुक्ला, कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

HINDUSTAN PAGE 8

संबद्ध महाविद्यालयों के छात्रों की परीक्षा एलयू ही कराएगा

बैठक

लखनऊ | निज संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध होने वाले 2 जिलों हरदोई एवं रायबरेली के कॉलेज के प्रबंधक और प्राचार्यों के साथ मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक राय ने बैठक की।

कुलपति ने दोनों जिलों के प्राचार्यों और प्रबन्धकों को विवि की केन्द्रीकृत प्रवेश प्रणाली से अवगत कराया।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय अपना शताब्दी वर्ष समारोह इस वर्ष मना रहा है। बैठक में स्पष्ट किया गया कि इस सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की परीक्षा का संचालन एलयू द्वारा ही कराया जाएगा। बैठक में स्पष्ट हुआ कि दोनों जिलों के महाविद्यालयों में जो छात्र पहले से पढ़ रहे हैं, उन पर वही नियम लागू होंगे जो नियम प्रवेश के समय तत्कालीन विश्वविद्यालय के थे।

JAGRAN CITY PAGE III

लविवि में खुलेगा महिला विकास केंद्र
24 शिक्षकों को मिली पदोन्नति

कार्य परिषद की बैठक में प्रस्ताव को दी गई मंजूरी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ग्रामीण एवं शहरी समुदायों की महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से जल्द ही परिसर में महिला विकास केंद्र की स्थापना करेगा। ... कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई कार्य परिषद की बैठक में लिया गया। ... 24 शिक्षकों ... सदस्य न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) वीके दीक्षित के निधन पर शोक व्यक्त किया गया।

आरएस गर्ल्स डिग्री कालेज में अब सह शिक्षा: आरएस गर्ल्स डिग्री कालेज में अब सह शिक्षा की व्यवस्था लागू होगी। अभी तक बालिकाएं पढ़ती थीं। विभिन्न महाविद्यालयों में 17 स्थाई और अस्थाई संबद्धता के प्रस्ताव को भी अनुमोदित कर दिया गया।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

शैक्षिक सुधारों में तेजी से कार्य कर रही सरकार

उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने किया लविवि में संस्कृत भाषा विभाग के अभिनवगुप्त संस्थान के नवीन भवन का लोकार्पण

... लिए अभियान चलकर उनकी सूची बनाई जा रही है जिससे विद्यालयों की आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जा सके। संस्कृत विद्यालयों के शिक्षकों की वेतन विसंगतियों को जल्द ही दूर किया जाएगा।

लविवि के अभिनवगुप्त संस्थान के नवीन भवन का लोकार्पण करते उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा।

उन्होंने कहा कि अयोध्या में निजी क्षेत्र के सहयोग से श्रीराम वैदिक विश्वविद्यालय की स्थापना किए जाने का निर्णय लिया गया है जिसमें वैदिक विद्वानों द्वारा पठन-पाठन के प्रोफेशनल कोर्स चलाए जाएंगे। श्रीराम विश्वविद्यालय में वैदिक संस्कृति के साथ-साथ विभिन्न धर्म शास्त्रों पर शोध का कार्य भी होगा। इसके साथ ही यहां पर ज्योतिर्विज्ञान एवं कर्मकांड का अलग से विभाग भी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि लखनऊ में संस्कृत निदेशालय की स्थापना की जाएगी। माध्यमिक शिक्षा के अध्यापकों की भांति संस्कृत विद्यालयों के अध्यापकों ... इस अवसर पर उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के अध्यक्ष डा. वाचस्पति मिश्र, अभिनव गुप्त संस्थान के निदेशक पद्मश्री प्रो. बृजेश कुमार शुक्ला, प्रो. नवजीवन रस्तोगी, प्रो. बी.के. शुक्ला, डा. प्रयाग नारायण मिश्र, डा. विनीत वर्मा, प्रो. अरविंद कुमार, प्रो. नीरज जैन सहित अनेक गणमान्य विद्वान, शोध छात्र तथा विश्वविद्यालय के कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में लविवि से सम्बद्ध कालेजों को दी गयीं जानकारियां

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध होने वाले दो जिलों हरदोई एवं रायबरेली के महाविद्यालयों के प्रबंधक और प्राचार्यों के साथ बैठक आयोजित की गयी, जिसकी अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की।

उन्होंने विवि में प्रवेश की प्रक्रिया के संदर्भ में महाविद्यालयों को बताया कि केन्द्रीकृत प्रवेश प्रणाली के माध्यम से किस प्रकार वह औपचारिक रूप से सीधे विश्वविद्यालय से जुड़ सकते हैं, जिन महाविद्यालयों के प्रतिनिधि बैठक में उपस्थित नहीं हुए उनका संदर्भ लेते हुए कुलपति ने कहा कि यह आवश्यक बैठक थी और सभी महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों का यहां पर होना अपेक्षित था। बैठक में स्पष्ट किया गया कि सत्र 2021-22 में होने वाले समस्त प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की परीक्षा का संचालन लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा ही कराया जाएगा। बैठक में यह भी स्पष्ट हुआ कि इन दोनों जिलों के महाविद्यालयों में जो विद्यार्थी पहले से पढ़ रहे हैं उन पर वही नियम लागू होंगे जो नियम उनके प्रवेश के समय तत्कालीन विश्वविद्यालय के रहे होंगे। बैठक में कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने महाविद्यालय से आए प्राचार्य और प्रबंधकों के विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिया और उनकी शंकाओं को दूर किया। इसके अतिरिक्त उन्हें यह भी बताया गया जो भी विश्वविद्यालय से जुड़ रहे हैं वह विश्वविद्यालय का ही एक अंग है और उनके विकास के साथ ही विश्वविद्यालय का भी विकास संबंध रहता है।

केंद्रीकृत प्रवेश प्रणाली के संदर्भ में प्रवेश टीम के विभिन्न सदस्यों ने बताया कि विश्वविद्यालय ने पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी केन्द्रीकृत प्रवेश प्रणाली के द्वारा विभिन्न महाविद्यालयों के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लविवि द्वारा किया जा रहा है। प्रवेश प्रणाली में शामिल होना महाविद्यालयों के लिए अनिवार्य नहीं है परंतु यदि महाविद्यालय शामिल होते हैं तो उन्हें केन्द्रीकृत प्रवेश के माध्यम से विद्यार्थी आवंटित किए जाएंगे। यह भी स्पष्ट किया गया कि प्रवेश में एनसीटीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, एआईसीटीई और आईसीएआर के मापदंडों का अनुपालन किया जाएगा। महाविद्यालयों को अवगत कराया गया कि वह अपनी प्रवेश प्रणाली में इन नियामक संस्थाओं के नियमों का पालन करें। परीक्षा नियंत्रक ने सत्र 2021- 22 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की आगे की परीक्षा कैसे कराई जाएगी इस संदर्भ में जो भी प्रश्न महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा उठाए गए उनका उत्तर दिया।

लविवि कार्यपरिषद में खुले 24 शिक्षकों के लिफाफे

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक में मंगलवार को 24 असिस्टेंट प्रोफेसरों के स्टेज एक से दो और दो से तीन में प्रमोशन हुए हैं। मंगलवार को हुई कार्यपरिषद की बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने की। बैठक में एक अन्य शिक्षक आशुतोष सिंह के मामले में कोर्ट से आदेश आने के बाद मामले पर नियमों के अनुसार निर्णय करने की बात कही जा रही है। इसके अलावा बैठक में एक अन्य बहुचर्चित मामला डी.पी.तिवारी का भी रहा, जिसमें तीन सदस्यीय कमेटी बनाने की बात कही जा रही है। बैठक में आर.एस.गर्ल्स डिग्री कालेज में सहशिक्षा की अनुमति, 17 अस्थायी सम्बद्धता के प्रस्ताव पर अनुमोदन भी किया गया है। कार्यपरिषद में मात्र एक दिन पूर्व हुए वित्त समिति और प्रवेश समिति की बैठकों में लिये गये निर्णयों को भी अनुमोदन दिया गया। बैठक में वूमेन्स डेवलपमेन्ट सेन्टर की स्थापना, सारे एडिशनल चीफ प्रोवोस्ट, प्रोवोस्ट और असिस्टेंट प्रोवोस्ट की नियुक्ति पर सहमति के साथ ही कुलाधिपति श्रीमती आनन्दीबेन पटेल द्वारा नामित सदस्य धर्मेन्द्र सिंह, प्रो.कृपा शंकर सिंह और अंशु टंडन ने भी भाग लिया। इस अवसर पर पूर्व कार्यपरिषद सदस्य न्यायमूर्ति सेवानिवृत्ति वी.के.दीक्षित के निधन पर शोक भी व्यक्त किया गया।

AMRIT VICHAR PAGE 3

प्रदेश में जल्द बनेगा संस्कृत निदेशालय

उप मुख्यमंत्री ने लविवि के अभिनवगुप्त संस्थानम् के नवीन भवन का किया लोकार्पण

अमृत विचार, लखनऊ

उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा जल्द ही प्रदेश का पहला संस्कृत निदेशालय बनेगा। संस्कृत का पाठयक्रम भी एनसीईआरटी पैटर्न पर होगा। यह बात उन्होंने मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में अभिनव गुप्त संस्थान के नए भवन के उद्घाटन पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि अभिनव गुप्त संस्थान के लिए आठ शिक्षकों के पद स्वीकृत किये हैं, जिन्हें जल्द से जल्द भरकर पढ़ाई शुरू कराई जाय। साथ ही भवन को वातानुकूलित बनाने और लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए हर सम्भव सहयोग करने का आश्वासन दिया। साथ ही कोविड के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए 25 से 31 मार्च तक प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में ऑनलाइन क्लास का सुझाव दिया है। इस दौरान होली की तय छुट्टी के अलावा शिक्षक बचे हुए दिनों में ऑनलाइन ही क्लास लेंगे। ऑफलाइन क्लास नहीं होंगी। इस दौरान यदि कोई परीक्षा तय हैं, तो वह अपने निर्धारित कार्यक्रम पर होंगी।

इस अवसर पर प्रो. नवजीवन रस्तोगी ने अभिनवगुप्त के बारे में अपने विचार रखे। कहा कि सौंदर्य शास्त्र के जनक के रूप में हम अभिनव गुप्त को जानते हैं। उन्होंने पूर्व परम्पराओं को आत्मसात करते हुए उनका निर्वहन किया। अभिनव गुप्त को लेकर देश भर में शोध हो रहे हैं। संस्कृत संस्थान के अध्यक्ष वाचस्पति मिश्र ने कहा कि संस्थान ने 12 हजार प्राइमरी शिक्षकों को संस्कृत सिखाई है। स्कूलों में उपस्थिति भी संस्कृत में होने लगी है। जल्द ही संस्कृत आवासीय स्कूलों में बुक बैंक बनाने की भी योजना है। इसी के साथ उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने न्यू कॉमर्स भवन के नवीन भाग का भी लोकार्पण वाणिज्य विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. केके सक्सेना के नाम पर किया। साथ ही प्राथमिक विद्यालय आर्यनगर नाका के जीर्णोद्धार एवं नव निर्माण का लोकार्पण किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभिनवगुप्त संस्थानम् के नवीन भवन लोकार्पण करते उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा व । फोटो : अमृत विचार

बैठक में कम प्रबंधकों को देखकर गुस्साए कुलपति

कार्यक्रम

- लविवि कुलपति ने संबद्ध होने वाले दो जिलों के प्रबंधक व प्राचार्यों की बुलाई थी बैठक

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति ने मंगलवार को विवि से सम्बद्ध होने वाले दो जिलों हरदोई और रायबरेली के महाविद्यालयों के प्रबंधक और प्राचार्यों को बैठक के लिए बुलाया। इसके बावजूद मालवीय सभागार में पहुंचे लोगों की संख्या को देखकर कुलपति ने भी आपत्ति दर्ज करायी।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह आवश्यक बैठक थी और सभी महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों का यहां पर होना अपेक्षित था। बैठक में यह बात स्पष्ट की गई सत्र 2021-22 में होने वाले समस्त प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की परीक्षा का संचालन लविवि द्वारा ही कराया जाएगा। साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया कि इन दोनों जिलों के महाविद्यालयों में जो विद्यार्थी पहले से पढ़ रहे हैं, उन पर वही नियम लागू होंगे, जो नियम उनके प्रवेश के समय तत्कालीन विवि के रहे होंगे। बैठक में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने महाविद्यालय से आए हुए प्राचार्य और प्रबंधकों के विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए और उनके द्वारा जो भी शंकाएं उठाई गई, उन सभी शंकाओं को दूर किया गया। इसके अतिरिक्त सभी प्राचार्य व प्रबंधकों को यह बताया गया कि जो भी विवि से जुड़ रहे हैं, वह विवि का ही एक अंग है। बता दें कि इस आगामी सत्र से विवि को चार जिलों के 355 नए कॉलेज जुड़ेंगे। ऐसे में विवि से संबद्ध होने वाले कुल कॉलेजों की संख्या 525 हो जाएगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की आगे की परीक्षा कैसे कराई जाएगी, इस संदर्भ में जो भी प्रश्न कॉलेज के प्राचार्य द्वारा उठाए गए उनका उत्तर देकर उनके शंका का समाधान किया।

लविवि के मालवीय सभागार में उपस्थित दो जिलों के प्रबंधक व प्राचार्य।

प्रबंधकों को केंद्रीकृत प्रवेश प्रणाली की दी जानकारी

लविवि की प्रवेश टीम के सदस्यों ने बताया कि विवि ने गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी केंद्रीकृत प्रवेश प्रणाली से कई कालेजों के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लविवि के द्वारा किया जा रहा है। इस प्रवेश प्रणाली में शामिल होना कालेजों के लिए अनिवार्य नहीं है लेकिन यदि कालेज शामिल होते हैं तो उन्हें केंद्रीकृत प्रवेश के माध्यम से विद्यार्थी आवंटित किए जाएंगे। यह भी स्पष्ट किया गया कि प्रवेश में एनसीटीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, एआईसीटीई और आईसीएआर के मापदंडों का पूरी तरह अनुपालन किया जाएगा। कालेजों को इस बात के लिए अवगत कराया गया कि वह अपनी प्रवेश प्रणाली में इन नियामक संस्थाओं के नियमों का समुचित और उचित परिपालन करें, इससे भविष्य में कोई भी समस्या न आए।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 2 & 6

उच्च शिक्षा संस्थानों में 25 से 31 तक चलें ऑनलाइन कक्षाएं : डा. शर्मा

डिप्टी सीएम डा. दिनेश शर्मा लखनऊ विश्वविद्यालय में अभिनव गुप्त संस्थान के नये भवन का उद्घाटन करते हुए

बैठक में कम प्रबंधकों को देख गुस्साये कुलपति

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लविवि शोध छात्रों को देगा छात्रावास

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

उपमुख्यमंत्री ने एलयू में अभिनवगुप्त संस्थानम नवीन भवन का किया लोकार्पण

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश सरकार शैक्षिक सुधारों की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है और नई शिक्षा नीति को प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में लागू किए जाने हेतु आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने यह विचार मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में संस्कृत भाषा विभाग के अभिनवगुप्त संस्थानम् के नवीन भवन का लोकार्पण एवं 'संस्कृतिवागंमये शिवत्व-विमर्श और विश्वमंगल' राष्ट्रीय-संगोष्ठी के शुभारंभ के अवसर पर व्यक्त किया। 03.13 करोड़ रुपए की लागत से बने अभिनव गुप्त संस्थान संस्कृत भाषा के उन्नयन की दिशा में कार्य करेगा। उप मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर वाणिज्य संकाय के नए भवन का लोकार्पण भी किया। वाणिज्य संकाय के नए भवन का नामकरण वाणिज्य विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर के.के सक्सेना के नाम पर किया गया है। डा. शर्मा ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय को विश्वस्तरीय बनाने के लिए प्रदेश सरकार हरसंभव मदद करेगी। विश्वविद्यालय में आधारभूत सुविधाओं के तेजी विकास के लिए प्रदेश सरकार ने हरसंभव सहयोग किया है और आगे भी करती रहेगी, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्ता परक शिक्षा प्रदान की जा सके।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार संस्कृत भाषा के उन्नयन के लिए कृत संकल्पित है। संस्कृत विद्यालयों के जीर्णोद्धार हेतु अभियान चलकर उनकी सूची बनाई जा रही है जिससे विद्यालयों की आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जा सके। संस्कृत विद्यालयों के शिक्षकों की वेतन विसंगतियों को जल्द ही दूर किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में निजी क्षेत्र के सहयोग से श्रीराम वैदिक विश्वविद्यालय की स्थापना किए जाने का निर्णय लिया गया है जिसमें वैदिक विद्वानों द्वारा पठन-पाठन के प्रोफेशनल कोर्स चलाए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों को पढ़ने के बाद रोजगार तलाशने में कठिनाई ना हो। श्रीराम विश्वविद्यालय में वैदिक संस्कृति के साथ-साथ विभिन्न धर्म शास्त्रों पर शोध का कार्य भी होगा। इसके साथ ही यहां पर ज्योतिर्विज्ञान एवं कर्मकांड का अलग से विभाग भी बनाया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ में संस्कृत निदेशालय की स्थापना की जाएगी। माध्यमिक शिक्षा के अध्यापकों की भांति संस्कृत विद्यालयों के अध्यापकों को शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्मानित किए जाने के साथ ही संस्कृत विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को भी माध्यमिक शिक्षा के विद्यार्थियों की तरह सम्मानित किया जा रहा है। संस्कृत विद्यालयों का सत्र नियमित किए जाने तथा संस्कृत बोर्ड की परीक्षाओं को भी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं की तरह से संपादित किए जाने का निर्णय लिया गया है।

FIRST INDIA PAGE 3

LU V-C chairs meet on centralised admission

First India Bureau

Lucknow: Lucknow University V-C, Alok Kumar Rai chaired a meeting on Tuesday in which Directors and Principals of colleges affiliated to the university in the districts of Lakhimpur and Rae Bareli took part.

Talking about the admission process of the university, the V-C said students will be admitted through the centralised admission system. He added that the admission test for session 2021-22 will be conducted by LU.

He said like previous year, colleges under the varsity can join the centralised admission system and if included they will be allotted students through the centralised system.